

प्रेषक,

हरिश्चन्द्र जोशी,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
विद्यालयी शिक्षा,
उत्तराखण्ड देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

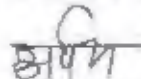
देहरादून दिनांक: 24 मार्च, 2008

विषय: केंद्र पुरोनिधानित "इन्फॉर्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी इन स्कूल (I.C.T.)" योजनान्तर्गत धनराशि की स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या:- 5ख1/66006/आई.सी.टी./2007-08, दिनांक 10 मार्च, 2008 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्यपाल महोदय केन्द्र पुरोनिधानित इन्फॉर्मेशन एण्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी इन स्कूल (I.C.T.) योजनान्तर्गत 50 विद्यालयों में कम्प्यूटर/फर्नीचर/उपकरणों आदि के क्रय हेतु कुल ₹ 3,29,26,722.00 (रुपये तीन करोड़, उन्तीस लाख, छब्बीस हजार, सात सौ बाईस मात्र) धनराशि को धालू धितीय वर्ष 2007-08 में शासनादेश संख्या: 1010/XXIV-3/08/02 (20)2007; दिनांक: 03 अगस्त, 2007 एवं शासनादेश संख्या: 1974/XXIV-3/07/02 (20)2007; दिनांक: 26 दिसम्बर, 2007 द्वारा प्रश्नगत योजनान्तर्गत में आपके निवर्तन पर रखी गयी धनराशि ₹ 754.00 लाख में से नियमानुसार व्यय करने की सहमति स्वीकृति निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- कम्प्यूटर/उपकरणों/सामग्री का क्रय भारत सरकार द्वारा अनुमन्य निर्धारित मानकों/दिशा निर्देशों के अनुरूप ही किया जायेगा।
 - 2- कम्प्यूटरों का क्रय सूचना प्रौद्योगिक विभाग के शासनादेश संख्या: 701/XXIV/सू0प्रौ0/2008; दिनांक: 25 फरवरी, 2008 तथा शासन द्वारा जारी विद्ये गये दिशा निर्देशों के अनुरूप किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
 - 3- फर्नीचर आदि का क्रय स्टोर परचेज रूल्स एवं शासन के विद्यमान नियमों, आदेशों एवं वित्तीय हस्तपुस्तिका/बजट मैनुयल का फलन सुनिश्चित करते हुए डी0जी0एस0 एण्डडी0 दरों पर किया जायेगा। उक्त दरें उपलब्ध न होने पर वित्तीय हस्तपुस्तिका में उल्लिखित प्रक्रिया का अनुपालन कर कार्यवाही की जायेगी।
 - 4- उक्त स्वीकृति धनराशि आवहस्त कर कम्प्यूटर क्रय हेतु हिट्टान को तथा फर्नीचर क्रय हेतु संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक/प्रधानाचार्य को उपलब्ध करायी जायेगी।
- 2- उपर्युक्त धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय और जहाँ आवश्यक हो, व्यय करने से पूर्व सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र निर्धारित प्रारूप पर यथा समय शासन को उपलब्ध कराया जाय।
- 3- यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि उक्त धनराशि को किसी ऐसी मद पर व्यय न किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुयल के नियमों के अन्तर्गत अन्य सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो।



क्रमशः.....2

4- मितव्ययता के संबंध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।

5- इस संबंध में होने वाला व्यय चातुर्वितीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक में अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखा शीर्षक-2202- सामान्य शिक्षा- 02- माध्यमिक शिक्षा- आयोजनागत- 800- अन्य व्यय- 01-केंद्रीय आयोजनागत/केंद्र द्वारा पुरोनिधित योजनार्य -0106- राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में आई0सी0टी0 योजना -42-अन्य व्यय के नामों डाला जायेगा।

6- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 1187(P)XXVII(3)08 दिनांक: 20 मार्च, 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(हरिश्चन्द्र जोशी)
सचिव।

पुष्पांकन संख्या: 487(1)/XXIV-3/08/02(168)2005: तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी।
- 3- निजी सचिव, मा० शिक्षा मंत्री जी।
- 4- निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
- 5- अनुसचिव, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- 6- मण्डलायुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 7- मण्डलीय अपर शिक्षा निदेशक, गढ़वाल मण्डल- पौड़ी/कुमायूँ मण्डल- नैनीताल।
- 8- समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 9- समस्त कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 10- समस्त जिला शिक्षा अधिकारी, उत्तराखण्ड।
- 11- बजट, राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय।
- 12- वित्त अनुभाग-3/कम्प्यूटर सेल (वित्त विभाग), उत्तराखण्ड सचिवालय।
- 13- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 14- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

अप

(जी०पी०तिवारी)
अनु सचिव।
a